vinetur

शरदकालीन बजट से पहले स्विनी ने यू.के. की स्पिरिट्स ड्यूटी में कटौती का समर्थन किया

स्कॉच व्हिस्की उद्योग का कहना है कि तीन वर्षों में 17% की बढ़ोतरी ने उत्पादकों, आपूर्तिकर्ताओं और आतिथ्य व्यवसायों पर दबाव बढ़ाया है।

मंगलवार, 22 सितंबर 2026



स्कॉटलैंड के प्रथम मंत्री जॉन स्विनी ने यू.के. सरकार के शरदकालीन बजट में स्पिरिट्स पर उत्पाद शुल्क में कटौती के लिए स्कॉच व्हिस्की उद्योग की अपील का समर्थन किया है, जिससे उस क्षेत्र को राजनीतिक समर्थन मिला है जो कहता है कि ऊंचे कर उत्पादकों, आपूर्तिकर्ताओं, बारों और उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

व्यापार निकाय के अनुसार, स्विनी ने स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन की सदस्य कंपनियों की परिषद से मुलाकात के बाद यह अपील की। मंगलवार को एसोसिएशन ने चर्चा का विवरण प्रकाशित किया। यह हस्तक्षेप ऐसे समय आया है जब एसोसिएशन अगले महीने स्पिरिट्स पर ड्यूटी घटाने के लिए ट्रेज़री पर दबाव बना रहा है, और उसका तर्क है कि मौजूदा कर व्यवस्था व्हिस्की और अन्य आसुत पेयों पर बीयर, साइडर और वाइन की तुलना में अधिक बोझ डालती है।

स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन ने इस सप्ताह की शुरुआत में अपनी बजट प्रस्तुति में कहा कि मौजूदा अल्कोहल ड्यूटी संरचना "स्कॉटलैंड के लिए एक टूटा-फूटा मॉडल" है। समूह ने कहा कि स्पिरिट्स पर उत्पाद शुल्क पिछले तीन वर्षों में 17% बढ़ा है और तर्क दिया कि इस बढ़ोतरी के साथ ट्रेज़री के लिए कम राजस्व आया, न कि अधिक रिटर्न। उसने यह भी कहा कि यह प्रणाली स्कॉच व्हिस्की और अन्य स्पिरिट्स पर कुछ अन्य मादक पेयों की तुलना में चार गुना तक अधिक दर से कर लगाती है।

उद्योग निकाय ने कहा कि यह मुद्दा डिस्टिलरीज़ से आगे जाता है। उसका कहना था कि दबाव स्कॉटलैंड की आपूर्ति शृंखला में, अनाज किसानों से लेकर पर्यटन व्यवसायों और आतिथ्य स्थलों तक, महसूस किया जा रहा है। एसोसिएशन ने कहा कि आतिथ्य व्यवसायों के कुल मुनाफे का एक-तिहाई से अधिक, यानी 38%, स्पिरिट्स से आता है, जो इस क्षेत्र की व्यापक आर्थिक भूमिका को रेखांकित करता है।

स्विनी, जिनकी सरकार पूरे यू.के. की उत्पाद शुल्क नीति को नियंत्रित नहीं करती, ने इस बैठक का उपयोग लंदन से कार्रवाई की मांग करने के लिए किया। एसोसिएशन द्वारा जारी टिप्पणियों में उन्होंने कहा कि स्कॉच व्हिस्की स्कॉटलैंड की संस्कृति, विरासत और अर्थव्यवस्था के केंद्र में है और ड्यूटी में बढ़ोतरी ने उद्योग पर अनुचित दबाव बनाया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने बड़े उत्पादकों और छोटे डिस्टिलरों दोनों की चिंताएं सुनी हैं और यू.के. सरकार से इस मुद्दे को हल करने की अपील दोहराई है।

प्रथम मंत्री का समर्थन ऐसे समय में उद्योग को एक सहयोगी देता है जब उत्पादकों का कहना है कि वे अभी भी विदेशी बाजारों में कई वर्षों की अस्थिरता और देश में बढ़ती लागतों से उबर रहे हैं। एसोसिएशन ने कहा कि निर्यात को प्रभावित करने वाली छह वर्ष से अधिक की उथल-पुथल के बाद यह क्षेत्र "निरंतर दबाव" में काम कर रहा है, जबकि व्यवसायों और घरों को भी व्यापक लागत बढ़ोतरी का सामना करना पड़ा है।

स्कॉच व्हिस्की स्कॉटलैंड के सबसे महत्वपूर्ण निर्यात उत्पादों में से एक है और विनिर्माण तथा ग्रामीण रोजगार का एक प्रमुख स्रोत है। एसोसिएशन ने कहा कि यू.के. में उत्पादित 70% स्पिरिट्स स्कॉटलैंड में बनती हैं। उत्पादकों का लंबे समय से तर्क है कि कर नीति में उद्योग के आर्थिक महत्व का प्रतिबिंब होना चाहिए और ऐसे समय में निवेश को हतोत्साहित नहीं करना चाहिए जब यह क्षेत्र विदेशों में फिर से गति हासिल करने की कोशिश कर रहा है।

व्यापार समूह ने कहा कि इस वर्ष दो महत्वपूर्ण निर्यात बाजारों, संयुक्त राज्य और भारत, में बाजार पहुंच बेहतर हुई है। उसने इन घटनाओं को पुनरुद्धार और विकास के अवसर के रूप में बताया, लेकिन कहा कि यदि घरेलू कर नीति स्कॉटलैंड और पूरे यू.के. में काम कर रही कंपनियों पर दबाव बढ़ाती रही, तो इस लाभ की सीमा हो सकती है। एसोसिएशन ने कहा कि उत्पाद शुल्क में कटौती से व्यवसायों को नवाचार और विस्तार में निवेश करने और नौकरियों की रक्षा करने में मदद मिलेगी।

स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी मार्क केंट ने कहा कि संगठन स्विनी के समर्थन का स्वागत करता है और ड्यूटी में कटौती का अलग-अलग आकार के उत्पादकों पर सीधा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वर्षों की बाधाओं के बाद उद्योग को भविष्य की योजना बनाने की गुंजाइश चाहिए, और कम ड्यूटी स्कॉटलैंड तथा व्यापक यू.के. में विकास को समर्थन देगी।

यह मांग यू.के. में विभिन्न श्रेणियों के स्पिरिट्स उत्पादकों के व्यापक प्रयास का हिस्सा है, केवल स्कॉच व्हिस्की निर्माताओं की नहीं। उद्योग समूहों का तर्क है कि कर प्रणाली को फिर से संतुलित किया जाना चाहिए ताकि स्पिरिट्स के साथ किए जाने वाले व्यवहार और अन्य मादक पेयों पर लगाए जाने वाले कर के बीच का अंतर कम हो।

यह मुद्दा शरदकालीन बजट को लेकर व्यापक राजनीतिक बहस का हिस्सा बनने की संभावना है, क्योंकि सरकार सार्वजनिक वित्त और अधिक लागत से राहत चाहने वाले क्षेत्रों के दबाव के बीच संतुलन बना रही है। स्कॉच व्हिस्की उद्योग का तर्क है कि कम ड्यूटी दर न केवल डिस्टिलरों पर दबाव कम करेगी, बल्कि उन बारों, रेस्तरांओं, होटलों और

पर्यटन व्यवसायों की भी मदद करेगी जो स्पिरिट्स की बिक्री पर निर्भर हैं।

स्विनी इससे पहले भी इसी तरह के बयान दे चुके हैं। एसोसिएशन के अनुसार, अप्रैल में आइल ऑफ हैरिस डिस्टिलरी की यात्रा के दौरान उन्होंने कहा था कि स्कॉटिश सरकार व्हिस्की उद्योग के लिए आवाज उठाती रहेगी। मंगलवार का यह हस्तक्षेप उस समर्थन को आने वाले यू.के. बजट में कर कटौती की मांग से सीधे जोड़कर एक कदम आगे जाता है।